डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

प्रवीण कुमार
प्रबन्ध निदेशक
Praveen Kumar
Managing Director

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि.
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd.
A Government of India (Ministry of Railways) Enterprise

प्रिय साथियों,

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मैं आप सभी को तथा आपके प्रिय परिवारीजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह पवित्र दिन केवल कैलेंडर की एक तारीख मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे संविधान में निहित मूल्यों को याद दिलाने वाला एवं राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में लोकसेवकों के रूप में हम सभी पर सौंपे गए सामूहिक दायित्व का बोध कराने वाला एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी अवसर है।

संविधान के अंगीकरण को याद करते हुए यह अत्यंत उपयुक्त है कि हम एक क्षण रुककर आत्मनिर्भर, मजबूत तथा आर्थिक रूप से सशक्त भारत के निर्माण में डीएफसीसीआईएल की भूमिका पर विचार करें। यद्यपि हमारा अधिकांश कार्य प्रत्यक्ष रूप से जनसामान्य की दृष्टि में नहीं आ पाता है, लेकिन फिर भी इसका प्रभाव दूरगामी एवं परिवर्तनकारी है। डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोरों के विकास के माध्यम से डीएफसीसीआईएल भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली की संरचना को मजबूत कर रहा है, जिससे कार्यकुशलता में वृद्धि, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता का सशक्तीकरण तथा सतत आर्थिक विकास को सक्षम बनाया जा रहा है।

हमारे संविधान के दूरदर्शी निर्माताओं ने समझा कि मज़बूत और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर देश की उन्नति की नींव है। डीएफसीसीआईएल इस विज़न का एक जीता-जागता उदाहरण है। उत्पादन केंन्द्रों को बाजार से जोड़ने वाली आर्थिक लाइनों का निर्माण करते हुए, हम ऐसी नींव रख रहे हैं जो आने वाली पीढ़ियों तक राष्ट्र की सेवा करेगी। जो पहल कभी एक महत्वाकांक्षी परिकल्पना के रूप में आरंभ हुई थी, वह आज भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप एक वैश्विक मानकों पर आधारित रेल अवसंरचना परियोजना के रूप में परिपक्व हो चुकी है। इस दिशा में प्राप्त किया गया प्रत्येक महत्वपूर्ण पड़ाव, नवाचार, दूरदृष्टि राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हमारा मिशन स्पष्ट और अडिग है: आधुनिक, उच्च क्षमता वाले फ्रेट कोरीडोरों का विकास एवं उनका संचालन करना, जिससे माल का कुशल और विश्वसनीय परिवहन सुनिश्चित हो तथा लॉजिस्टिक लागत में कमी लाकर भारतीय उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। यह मिशन हमारे तुलनात्मक कार्य-निष्पादन परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखता है। इसमें सकल टन किलोमीटर (GTKM) वित्तीय वर्ष 2024–25 (दिसंबर तक) में 1,40,466 मिट्रिक टन से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025–26 (दिसंबर तक) में 1,49,821 मिट्रिक टन हो गया है, जबकि शुद्ध टन किलोमीटर (NTKM) इसी अवधि में 82,156 मिट्रिक टन से बढ़कर 82,633 मिट्रिक टन हो गया है। औसतन प्रतिदिन रेलगाड़ियों का संचालन 379 से बढ़कर 406 हो गया है, जो परिचालन दक्षता और प्रणाली की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। दिनांक 12 जनवरी 2026 को हमने 898 रेलगाड़ियों का अधिकतम इंटरचेंज रिकार्ड किया । सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षित, तीव्र और समयबद्ध परिवहन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पूर्णतः अटल है।

ये सभी उपलब्धियाँ सूक्ष्म स्तर तक बनाई गई योजनाएं, परस्पर समन्वय और विभिन्न फील्डों और विभागों में कार्यरत टीमों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा हैं। मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि आज, 26 जनवरी को न्यू निलजे (New Nilje) और सफाले (New Saphale) के बीच पहली मालगाड़ी का ट्रायल रन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हमें वेस्टर्न फ्रेट कोरीडोर के अंतिम वैतरणा–जेएनपीटी खंड के 31 मार्च 2026 तक पूर्ण परिचालन के और अधिक करीब ले जाती है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल पहल एकीकृत एवं मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय रेल नेटवर्क में प्रथम शेड्यूल-1 जीसीटी का डीएफसीसीआईएल द्वारा परिचालन हमें राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स सुधार में अग्रदूत के रूप में स्थापित करता है। ये टर्मिनल अंतिम छोर तक बाधाओं को कम कर रहे हैं तथा देश भर में उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों (MSMEs) और लॉजिस्टिक्स साझेदारों को आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

"अवसर सदैव सजग मस्तिष्क का साथ देता हैं," और हमारी प्रगति इसी विश्वास को सार्थक सहयोग के माध्यम से प्रतिबिंबित करती है, जो अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। वेस्टर्न फ्रेट कोरीडोर (WDFC) के अंतर्गत न्यू दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स हब की स्थापना हेतु DMIC IIT गांधीनगर के साथ हमारा एमओयू (MOU) साथ ही सेंटर फॉर हैवी हॉल रिसर्च एंड डेवलपमेंट के तहत बड़े शैक्षणिक संस्थानों और वैश्विक उद्योग जगत के कारोबारियों के साथ साझेदारियां, निरंतर तकनीकी उन्नयन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।अपनी वित्तीय संरचना को सुदृढ़ करने तथा दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई एक रणनीतिक पहल के अंतर्गत डीएफसीसीआईएल ने मौजूदा वर्ल्ड बैंक ऋण को रीफाइनेंस करने के लिए भारतीय रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) के साथ एक रीफाइनेंसिंग पहल शुरू की है। यह कदम विदेशी मुद्रा जोखिमों को कम करने, वित्तीय लचीलापन को मजबूत करने के साथ राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और अधिक मजबूत बनाएगा।

नवाचार डीएफसीसीआईएल के विजन का मुख्य बिन्दु है। न्यू मॉडिफाइड गुड्स कोच और 'ट्रक्स ऑन ट्रेन' जैसी पहलें माल परिवहन के प्रति एक नए और पुनर्कल्पित विजन को दर्शाती हैं, जो अधिक दक्षता और निर्बाध मल्टी मॉडल एकीकरण को संभव बनाती हैं। यह प्रयास एआई-संचालित मशीन विज़न निरीक्षण प्रणाली, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस और रोलिंग स्टॉक की विश्वसनीयता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीएफसीसीआईएल की वैश्विक प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिसे इंटरनेशनल हेवी हॉल एलायंस और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे (UIC) में इसकी सदस्यता से और अधिक मजबूती मिली है। यह इसकी क्षमताओं और मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता को दर्शाता है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि रेल मंत्रालय ने डीएफसीसीआईएल को इंटरनेशनल हेवी हॉल एसोसिएशन सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी है। यह सम्मान भारत में माल परिवहन को सशक्त बनाने और रूपांतरित करने में डीएफसीसीआईएल की बढ़ती भूमिका की स्पष्ट पहचान है। सस्टेनेबिलिटी हमारे मूल सिद्धांतों का अभिन्न हिस्सा है। सड़क से रेल की ओर परिवहन को प्रोत्साहित करके डीएफसीसीआईएल कार्बन उत्सर्जन में कमी, ईंधन संरक्षण तथा भारत के जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप योगदान दे रहा है। इसके साथ ही, तेजी से बढ़ता ई-कॉमर्स सेक्टर भी नए मौके दे रहा है, जिसमें डीएफसीसीआईएल हितधारकों के साथ मिलकर समय पाबंदी के साथ और जल्द खराब होने वाले उत्पादों के त्वरित, विश्वसनीय और पर्यावरण के लिए जिम्मेदार परिवहन को सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

ये उपलब्धियाँ डीएफसीसीआईएल के कार्यबल—इंजीनियरों, तकनीशियनों, प्रबंधकों और सहायक कर्मचारियों—की प्रतिबद्धता, विशेषज्ञता और दृढ़ता के कारण संभव हो पाई हैं।

डीएफसीसीआईएल के प्रदर्शन के मूल में अनुशासन और सामूहिक उत्तरदायित्व शामिल है। इस प्रतिबद्धता की सबसे सरल लेकिन सबसे प्रभावशाली अभिव्यक्तियों में से एक है-**'समय की पाबंदी'।** समय की पाबंदी पेशेवर रवैये, जवाबदेही और समय के सम्मान को दर्शाती है। जैसा कि **बेंजामिन फ्रैंकलिन** ने कहा है—**"खोया हुआ समय कभी भी वापस नहीं आता"।** अनुशासन, लक्ष्यों और उपलब्धियों के बीच सेतु के रूप में कार्य करता है, जो टीमवर्क और संगठनात्मक उत्कृष्टता को मजबूत बनाता है।

हमारा संगठन हमें उद्देश्य और दिशा देता है। समाज हमारे चरित्र और मूल्यों को बनाता है। हमारा देश हमें पहचान, सुरक्षा और आगे बढ़ने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष असंख्य तरीकों से ये स्तंभ हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन-यात्रा को संभव बनाते हैं। इस सामूहिक आधार के हितग्राही होने के नाते हमारा दायित्व है कि हम इसके प्रति अपनी सर्वोच्च प्रतिबद्धता, ईमानदारी और सेवा-भावना के साथ समर्पित रहें।

भविष्य में भी, डीएफसीसीआईएल नवाचार, क्षमता निर्माण और सहयोग को प्राथमिकता देना जारी रखेगा। इस गणतंत्र दिवस पर आइए हम संविधानिक मूल्यों, ईमानदारी, जवाबदेही और राष्ट्र की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराएं । आज हम जो मार्ग निर्धारित करेंगे, वह हमारी भविष्य की आंकाक्षाओं को पूरा करेंगे।

जय हिंद

प्रवीण कुमार

(प्रवीण कुमार)
प्रबंध निदेशक

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

प्रवीण कुमार
प्रबन्ध निदेशक
Praveen Kumar
Managing Director

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि.
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd.
A Government of India (Ministry of Railways) Enterprise

Dear Colleagues,

On the auspicious occasion of the 77th Republic Day of India, I extend my heartfelt greetings and warm wishes to each one of you and to your families. This sacred day is not merely a date on the calendar; it is a solemn reminder of the ideals enshrined in our Constitution and of the collective duty entrusted to us as public servants in shaping the destiny of our nation.

As we commemorate the adoption of the Constitution, it is only fitting that we pause and reflect on the role of DFCCIL in building a self-reliant, resilient and economically vibrant India. Though much of our work unfolds away from public view, its impact is far-reaching and transformational. Through the development of Dedicated Freight Corridors, DFCCIL is quietly yet decisively strengthening the backbone of India's logistics ecosystem - enhancing efficiency, boosting industrial competitiveness and enabling sustainable economic growth.

The visionary framers of our Constitution understood that strong and modern infrastructure is the bedrock of national progress. DFCCIL stands as a living embodiment of this vision. By creating economic arteries that connect production centres with markets, we are laying foundations that will serve generations to come. What began as an ambitious concept has matured into a globally benchmarked rail infrastructure project, tailored to India's unique needs. Every milestone achieved reflects innovation, foresight and an unwavering commitment to nation-building.

Our mission remains clear and steadfast: to develop and operate modern, high-capacity freight corridors that enable efficient and reliable cargo movement and drive down logistics cost to make Indian products more competitive. This mission is reflected in measurable performance outcomes. Gross Ton Kilometres (GTKMs) increased from 140,466 MT in FY 2024–25 (till December) to 149,821 MT in FY 2025–26 (till December), while Net Ton Kilometres (NTKMs) rose from 82,156 MT to 82,633 MT during the same period. Average daily train movements rose from 379 to 406 trains per day, highlighting improved operational efficiency and system resilience. On 12th January 2026, we recorded maximum train interchange of 898 trains. Safety remains our foremost priority, and our commitment to secure, swift, and punctual transportation is absolute.

These accomplishments are the result of meticulous planning, seamless coordination and the collective dedication of teams across regions and disciplines. I am pleased to share that today, on 26th January, we will conduct the trial run of the first goods train between New Nilje and New Saphale. This landmark event brings us closer to the full operationalization of the final Vaitarna - JNPT section of the Western Dedicated Freight Corridor by 31st March, 2026.

The Gati Shakti Cargo Terminal initiative represents a significant leap toward integrated and multimodal logistics. DFCCIL's operationalization of the first Schedule-1 GCT across the Indian Railways network positions us as pioneers in national logistics reform. These terminals are easing last-mile constraints and providing vital support to industries, MSMEs and logistics partners across the country.

"Chance favours the connected mind," and our progress reflects this belief through purposeful collaborations that foster research and innovation. Our Memorandum of Understanding with DMIC IIT Gandhinagar for a Multi-Modal Logistics Hub at New Dadri on the WDFC, along with partnerships under the Centre for Heavy Haul Research and Development with leading academic institutions and global industry leaders, underscores our commitment to continuous technological advancement.

Regd. Office :233, 2nd Floor, Tower E, World Trade Centre, Nauroji Nagar, New Delhi-110029.
Corporate Office: DFCCIL Corporate Office, Sector-145, Noida, Uttar Pradesh- 201306.
CIN : U60232 DL 2006 GOI 155068 Website : https://dfccil.com Email: mddfccil@dfcc.co.in, Tel.: 0120-2216001

In a strategic move to strengthen its financial framework and ensure long-term sustainability, DFCCIL has undertaken a refinancing initiative with the Indian Railway Finance Corporation (IRFC) to refinance the existing World Bank loan. This measure will mitigate foreign exchange risks, reinforce fiscal resilience, and strengthen national logistics competitiveness.

Innovation remains central to DFCCIL's vision. Initiatives such as New Modified Goods coaches and Trucks on Train services represent a reimagined approach to freight transportation, enabling greater efficiency and seamless multimodal integration. Complementing these efforts, the AI-powered Machine Vision Inspection System marks a significant step toward predictive maintenance and improved rolling stock reliability.

DFCCIL's growing global stature is reinforced by its induction into the International Heavy Haul Alliance and the International Union of Railways (UIC), reflecting international recognition of its capabilities and standards. I am proud to announce that the Ministry of Railways has entrusted DFCCIL with the responsibility of organizing the International Heavy Haul Association Conference. This honour stands as a clear recognition of the growing importance of DFCCIL's role in strengthening and transforming freight transportation in India. Sustainability remains integral to our ethos. By enabling a shift from road to rail, DFCCIL contributes to reduced carbon emissions, fuel conservation, and alignment with India's climate objectives. The expanding e-commerce sector also presents new opportunities, with DFCCIL working closely with stakeholders to ensure fast, reliable and environmentally responsible transportation of time-sensitive and perishable cargo.

These achievements are made possible by the dedication, expertise and resilience of DFCCIL's workforce - engineers, technicians, managers and support staff. Your sense of ownership forms the backbone of our success.

At the core of DFCCIL's performance lies discipline and collective responsibility. One of the simplest yet most powerful expressions of this commitment is punctuality. Punctuality reflects professionalism, accountability and respect for time. As Benjamin Franklin observed, **"Lost time is never found again."** Discipline remains the bridge between goals and achievement, strengthening teamwork and organizational excellence.

Our organization gives us purpose and direction. Society shapes our values and character. Our nation grants us identity, security and the freedom to aspire. In countless visible and invisible ways, these pillars enable our personal and professional journeys. As beneficiaries of this collective foundation, we owe it our utmost commitment, integrity and spirit of service.

As we look to the future, DFCCIL will continue to prioritize innovation, capacity building and collaboration. On this Republic Day, let us reaffirm our dedication to the constitutional values of integrity, accountability and service to the nation. The corridors we build today will carry the aspirations of tomorrow.

Jai Hind.

Praveen Kumar

(Praveen Kumar)